भारत सरकार

संचार मंत्रालय

दूरसंचार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5046

उत्तर देने की तारीख 24 जुलाई, 2019

चेन्नई और पोर्टब्लेयर के बीच ऑप्टिकल फाइबर

5046. श्री कुलदीप राय शर्मा:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा यथा स्वीकृत चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर के बीच ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के कार्य की क्या स्थिति है; और

(ख) उक्त परियोजना को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

उत्तर

संचार, विधि और न्याय, तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री रविशंकर प्रसाद)

(क) और (ख) मुख्य भूमि (चेन्नई) और अण्डमान एवं निकोबार के 8 द्वीपसमूहों के बीच समुद्री ओएफसी कनेक्टिविटी की व्यवस्था करने संबंधी परियोजना सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि (यूएसओएफ) से वित्तपोषित की जा रही है और इसका कार्य-निष्पादन भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा किया जा रहा है । समुद्री ओएफसी कनेक्टिविटी के प्रावधान से संबंधित कार्य को बीएसएनएल द्वारा दिनांक 26.06.2018 को मैसर्स एनईसीटीआई को सौंपा गया था। बीएसएनएल द्वारा 9 केबल लैंडिंग स्टेशनों (सीएलएस) के निर्माण का कार्य किया जा रहा है और उत्तरोत्तर रूप से अगस्त, 2019 से दिसंबर, 2019 के बीच इसके पूरा हो जाने की आशा है। मैसर्स एनईसीटीआई द्वारा समुद्री और भू-सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। अण्डमान एवं निकोबार के चार द्वीपसमूहों की पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए)/तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरज़ेड) अनुमति पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से प्राप्त हो गई है। शेष चार द्वीपसमूहों की ईआईए/सीआरज़ेड अनुमति पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से प्रतीक्षित है। इस परियोजना को जून, 2020 तक पूरा कर लिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

******